विकास भारती पब्लिक स्कूल

योगात्मक निर्धारण -1 (2017-18)

विषय : हिंदी (अभ्यास प्रश्न पत्र)

कक्षा : आठवीं

समयावधि –3 घण्टे **पूर्णांक–80**

नोट –प्रश्न पत्र में चार खंड हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न संख्या लिखकर उत्तर दीजिए।

		खण्ड - (क)	
प्रश्न 1		**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	**5**
		जल और मानव जीवन का संबंध अत्यंत घनिष्ठ है। विश्व की प्रमुख संस्कृतियों का जन्म बड़ी–बड़ी नदियों के किनारे ही हुआ है।बचपन से ही हम जल की उपयोगिता, शीतलता और निर्मलता के कारण उसकी ओर आकर्षित होते रहे हैं।किंतु नल के नीचे नहाने और जलाशय में डुबकी लगाने में ज़मीन–आसमान का अंतर है। हम जलाशयों को देखते ही मचल उठते हैं,उसमें तैरने के लिए। स्वच्छ और शीतल जल में तैरना तन को स्फूर्ति ही नहीं मन को शांति भी प्रदान करता है। तैराकी आनंद की वस्तु होने के साथ–साथ हमारी आवश्यकता भी है। प्राचीनकाल में आदमी को तैरकर ही नदियों को पार करना पड़ता था। किंतु तैरने के लिए आदिम मनुष्य को निश्चय ही प्रयत्न और परिश्रम करना पड़ा होगा, क्योंकि उसमें अन्य प्राणियों की भाँति तैरने की जन्मजात क्षमता नहीं है। जल में मछली आदि जलजीवों को स्वच्छंद विचरण करते देख मनुष्य ने उसी प्रकार तैरना सीखने का प्रयत्न किया और धीरे –धीरे उसने इस कार्य में इतनी निपुणता प्राप्त कर ली कि आज तैराकी कला के रूप में गिनी जाने लगी।	
	क)	गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।	
	ख)	जल और मानव जीवन का क्या संबंध है ?	
	ग)	आदिम मानव को तैरने की प्रेरणा किससे मिली होगी?	
	घ)	गद्यांश में से दो भाववाचक संज्ञा छाँटिए।	
	ङ)	'अत्यंत' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए।	
प्रश्न 2		**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	**5**
		इतने ऊँचे उठो कि जितना गगन है। देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से सिंचित करो धरा,समता की भाव–वृष्टि से जाति–भेद की,धर्म वेश की काले गोरे रंग द्वेष की ज्वालाओं से जलते जग में इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है। नए हाथ से वर्तमान का रूप सँवारो नई तूलिका से चित्रों के रंग उभारो	

		नए राग को नूतन स्वर दो युग की नई मूर्ति रचना में इतने मौलिक बनो कि जितना स्वयं सृजन है। चाह रहे हम, इस धरती का स्वर्ग बनाना अगर कहीं हो स्वर्ग,उसे धरती पर लाना सूरज,चाँद,चाँदनी,तारे सब हैं प्रतिपल साथ हमारे दो कुरूप को रूप सलोना इतने सुंदर बनो जितना आकर्षण है।	
	क)	पद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।	
	ख)	प्रतिपल हमारे साथ कौन–कौन हैं ?	
	ग)	'धरती' तथा 'गगन'का एक–एक पर्यायवाची लिखिए।	
	घ)	समाज किन ज्वालाओं से जल रहा है ?	
	ङ)	'धरती' को हम कैसा बनाना चाहते हैं ?	
		खण्ड-(ख)	
प्रश्न 3		**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए।**	**5**
	क)	करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान	
	ख)	समय का सदुपयोग	
प्रश्न 4		अपने छोटे भाई को कक्षा में प्रथम आने पर बधाई पत्र लिखिए। **अथवा** अपने जन्मदिन पर मित्र को निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए।	**5**
प्रश्न 5		मुंबई के 'जुहू बीच' के मनोरंजक अनुभव को डायरी लेखन के रूप में लिखिए ।	**3**
प्रश्न 6		'रक्तदान शिविर' के आयोजन पर एक प्रतिवेदन लिखिए।	**3**
प्रश्न 7		**निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक–तिहाई शब्दों में लिखिए।**	**3**
		चरित्र–निर्माण ही सफलता की कुंजी है। जो मनुष्य अपने चरित्र की ओर ध्यान देता है,वही जीवन क्षेत्र में विजयी होता है। चरित्र–निर्माण से मनुष्य के भीतर ऐसी शक्ति का विकास होता है,जो उसे जीवन संघर्ष में विजय बनाती है। ऐसा व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता पाता है। वह जहाँ कहीं भी जाता है,अपने चरित्र की शक्ति से प्रभाव स्थापित कर लेता है। उसे देखते ही लोग उसके व्यक्तित्व के सम्मुख नतमस्तक हो जाते हैं। उसके व्यक्तित्व में सूर्य का तेज,आँधी की गति और गंगा के प्रवाह की अबाधता है। जो मनुष्य चरित्रवान होता है,वह समाज में भी सर्वोच्च स्थान पाता है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति उसका आदर व सम्मान करता है। इसलिए सदैव यह प्रयास करने चाहिए कि हम चरित्रवान बनें।	

		खण्ड-(ग)	
प्रश्न 8		**निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।**	
	क)	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द – किसी विषय का पूरा पंडित	**1**
	ख)	विलोम शब्द – 1) सकाम 2) उत्तीर्ण	**2**
	ग)	एकार्थी शब्द – 1)प्रणाम 2) नमस्ते	**2**
	घ)	श्रुतिसम भिन्नार्थक –1)कलित 2) कीलित	**2**
	ड)	पर्यायवाची शब्द –1) आनंद 2) अंग (एक–एक)	**2**
	च)	अनेकार्थक शब्द –आम (दो अर्थ)	**2**
	छ)	लोकोक्ति का अर्थ व वाक्य लिखे–काला अक्षर भैंस बराबर	**2**
	ज)	**संधि विच्छेद कीजिए** –1)स्वागत 2)प्रत्येक	**2**
प्रश्न 9		**निम्नलिखित वाक्यों में रचना के आधार पर क्रिया के भेद बताइए।**	**2**
	क)	मलिक नौकर से काम करवाता है।	
	ख)	ईशान खेलकर घर लौटा।	
प्रश्न 10		**कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए।**	**2**
	क)	वह जा रहा था। (वर्तमान काल)	
	ख)	मैं पढ़ता हूँ। (भूत काल)	
प्रश्न 11		**निम्नलिखित वाक्यों के वाच्य परिवर्तित कीजिए।**	**2**
	क)	किसान हल चलाता है। (कर्मवाच्य)	
	ख)	रवि हँसता है। (भाववाच्य)	
प्रश्न 12		**उचित शब्द भरकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**	**2**
	क)	कर्म के आधार पर क्रिया के .....भेद होते हैं।	
	ख)	वाक्य में आए शब्दों का व्याकरणिक परिचय देना .....कहलाता है।	
प्रश्न 13		मुहावरे का अर्थ व वाक्य लिखे–एड़ी–चोटी का ज़ोर लगाना	**2**
प्रश्न 14		**निम्नलिखित कथनों के सामने सही या गलत का निशान लगाइए।**	**2**
	क)	दो स्वरों के मेल से उत्पन्न विकार को स्वर संधि कहते हैं।	

	ख)	बीते हुए समय को भूतकाल कहते हैं।	
		खण्ड– (घ)	
प्रश्न 15	**क)**	**वाक्य बनाइए –** दर्पण,आहत	**2**
	ख)	**अर्थ लिखिए –**अवस्था,प्लेग,अनिमेष,अवलोक	**4**
प्रश्न 16		**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	**3**
		गिरिवर के उर में उठ–उठकर उच्चाकांक्षाओं से तरुवर है झाँक रहे नीरव नभ पर अनिमेष,अटल,कुछ चिंता पर उड़ गया अचानक लो भू–धर, फड़का अपार पारद के पार रव शेष रह गए हैं निर्झर है टूट पड़ा भू पर अंबर धँस गए धरा में समय शाल उठ रहा धुआँ,जल गया ताल यों जलद–यान में विचर–विचर, था इंद्र ,खेलता इंद्रजाल	
	क)	कवि का नाम लिखिए।	
	ख)	कविता में किस ऋृतु का वर्णन किया गया है।	
	ग)	इंद्र देवता क्या खेल रहे हैं ?	
प्रश्न 17		**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए।**	**2**
	क)	बड़ा होकर गुरदास क्या बना ?	
	ख)	झरनों का झाग कैसा लगता है ?	
प्रश्न 18		**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	
	क)	वकील साहब ने गुरदास की नाम कमाने की इच्छा का किस प्रकार लाभ उठाया ?	**2**
	ख)	दशरथ माँझी का चरित्र–चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।	**2**
	ग)	कवि ने तालाब की तुलना किससे की है और क्यों ?	**2**
प्रश्न 19		**आशय स्पष्ट कीजिए –**"उनके विचारों में भी कबीर जैसी प्रखरता थी।"	**3**

प्रश्न 20		समाज में अपना व अपने परिवार का नाम आप किस प्रकार ऊँचा कर सकते हैं ?	**4**